Sr No	Aushadhi ke Naam	Up
1	अग्निसंदीपन रस	यह मंदाग्नि, अजीर्ण, अम्लपित्त एवं शूल आदि में उप
2	अजीर्णरि रस	मंदाग्नि, अजीर्ण, कब्ज एवं पेट फूलना आदि में उपयो
3	अजीर्णकंटक रस	जठराग्नि तेज करने एवं कब्ज , गैस आदि में
4	अग्नितुंडी वटी रस	आफरा, पेट के कीड़े, अजीर्ण एवं कमजोरी
5	अर्धांगवातारी रस	पित्तदोष, मोटापा, मंदाग्नि एवं कफ को बाहर निकालने
6	अग्निकुमार रस	अग्नि को बढ़ाने वाली, कब्ज, आँतों में मल इक्कठा हो
7	अग्निसुनू रस	शूल, गुल्म, पांडुरोग, उदररोग, अर्श एवं ग्रहणी
8	अगस्ति सुतराज रस	सूजन, दाह, अतिसार, वमन एवं पेट दर्द में उपयोगी
9	अर्द्धनारिनाटेश्वर रस	सुन्नपात, तंद्रा, निद्रा न आना, सिरदर्द एवं श्वास में उ
10	अमीर रस	संधिगत वात, वातवाहिनी के विक्षोभ एवं गठिया रोग
11	अमृतकलानिधि रस	रस, पित्त एवं कफदोषजन्य रोग
12	अमृतार्णव रस	अतिसार, पतले दस्त होना, संग्रहणी एवं बवासीर में
13	अपूर्वमालिनी बसंत रस	जीर्ण ज्वर एवं धातुगत ज्वर में
14	अश्विनी कुमार रस	उदर रोग, पक्वाशय की शिथिलता, कोष्ठशुक्ल एवं पत
15	अर्श कुठार रस	अर्श में उपयोगी

Sr No	Aushadhi ke Naam	Up
16	आनंदभैरव रस	सभी प्रकार की बुखार में उपयोग
17	अश्वकंचुकि रस	यकृत एवं उदर रोगों में उपयोगी
18	आमवातारी रस	वात दोष, आमवात, हाथ - पैर एवं समूचे शरीर की सू
19	इंदुशेखर रस	ज्वर, दुर्बलता, प्रदर एवं हृदय रोग में उपयोगी
20	इच्छाभेदी रस	विरेचक औषधि
21	उन्माद गजकेशरी रस	पागलपन, मिर्गी, हिस्टीरिया, अनिद्रा एवं बेहोशी में उप
22	उन्मत रस	मिर्गी, मूर्च्छा एवं अन्य मानसिक विकारों में
23	उन्मादगजांकुश रस	पागलपन में
24	उपदंशकुठार रस	उपदंश रोग में फायदेमंद
25	एकांगवीर रस	लकवा, एकांगवात, अर्धांगवात एवं पक्षाघात में इसका
26	कर्पूर रस	अरुचि, खट्टी डकारें एवं मुंह और कंठ की जलन में
27	कफकेतु रस	बुखार, छाती में दर्द, छाती में कफ का जमना एवं कफ
28	कफ कुठार रस	खांसी, सांस लेने में कठिनाई एवं छाती में दर्द
29	कनक सुन्दर रस	अतिसार, संग्रहणी एवं ज्वरातिसार में लाभदायक
30	कफचिंतामणि रस	वात एवं कफ के रोग नष्ट होते है

Sr No	Aushadhi ke Naam	Up
31	कल्याणसुन्दर रस	फेफड़े के रोग, न्यूमोनिया और उरस्तोय
32	कस्तूरीभैरव रस	सभी प्रकार के ज्वर , शीतांग एवं जलन
33	कल्पतरु रस	वायु एवं कफ से उतपन्न बुखार में उपयोगी
34	कस्तूरी भूषण रस	खांसी, श्वांस, क्षय एवं मंदाग्नि में उपयोगी
35	कृमिकुठार रस	अनिद्रा, पाण्डु एवं शोथ और कृमि रोग में
36	कामदुधा रस	मूत्र विकार, मुंह आना, बवासीर में खून गिरना एवं पि
37	कृमिमुद्गर रस	पेट के कीड़ों को समूल नष्ट करने
38	क्रव्याद रस	प्लीहा, ग्रहणी, रक्तस्राव, अर्श , शूल एवं विषम ज्वर
39	कामधेनु रस	बल वीर्य वर्द्धक, कामोद्दीपपक एवं पौष्टिक
40	कामाग्नि संदीपन रस	ओज एवं बल वृद्धि
41	कालारी रस	साधारण ज्वर, सन्निपातज ज्वर एवं विषम ज्वर में
42	कामिनीविद्रावण रस	वीर्य स्तम्भक
43	कालकूट रस	खांसी, श्वांस, आँखों की तन्द्रा, हिचकी, एवं कफ की अ
44	कामलाहार रस	एनीमिया, पीलिया, शोथ एवं मूत्रकृच्छ
45	कासकुठार रस	सन्निपातज ज्वर एवं सभी कफ प्रधान जन्य रोगों

Sr No	Aushadhi ke Naam	Up
46	कासकेशरी रस	श्वास रोग, कफ ज्वर, वात ज्वर में उत्तम लाभ
47	कासकर्तारी रस	फेफड़े एवं श्वास प्रणाली एवं गले में जमा कफ
48	कुमुडेश्वर रस	टीबी, हृदय की कमजोरी, उदर वायु, पार्श्वशूल कमजोरी
49	कुमार कल्याण रस	बच्चों की खांसी, संग्रहणी, वमन एवं श्वास में उपयोगी
50	कुष्टकुठार रस	कुष्ठ रोग में उपयोगी
51	कुष्ठकालानल रस	सभी प्रकार के कुष्ठ रोग में
52	खञ्जनिकारी रस	लकवा, गठिया, आतशक, धनुष्टकर एवं न्यूमोनिया, खां
53	गदमुरारी रस	पुराने विषम ज्वर, रस गत ज्वर, पित्त गत ज्वर
54	गंगाधर रस	अतिसार, मंदाग्नि, संग्रहणी, दस्त और आमातिसार
55	गंधक रसायन	कुष्ठ, रक्त विकार जन्य फोड़ा - फुंसी में उपयोगी
56	गण्डमाला कंडन रस	गलगण्ड, गण्डमाला एवं गाँठ वाले फोड़े फुंसियों में ल
57	गर्भपाल रस	गर्भावस्था में होने वाले विकारों में उपयोगी
58	गर्भ चिंतामणि रस	गर्भावस्था के सभी विकारों में उपयोगी
59	गर्भविनोद रस	वमन, जी मचलाना, गले में जलन, ज्वर एवं अतिसार
60	ग्रहणीकपाट रस	संग्रहणी

Sr No	Aushadhi ke Naam	Up
61	ग्रहणी गजकेशरी रस	रक्त शूल, प्रवाहिका, आंवयुक्त ग्रहणी रोग, पुराना अति
62	गुल्मकुठार रस	गुल्म, हृदय के दर्द, पसली के दर्द और उदर शूल में उ
63	गुल्म कलानल रस	गुल्म रोग में उपयोगी
64	चतुर्मुख रस	समस्त वायु रोग एवं शारीरिक कमजोरी में उपयोगि
65	चतुर्भुज रस	दिमागी कमजोरी में उपयोगी
66	चंद्रामृत रस	खांसी, बुखार, जुकाम, गले की खराबी
67	चन्द्रकला रस	रक्तपित, मूत्रकृच्छ, दाह, वमन एवं अजीर्ण में उपयोगी
68	चंद्रशेखर रस	जीर्ण ज्वर, खांसी, श्वांस एवं वमन
69	चन्द्रांशु रस	गर्भाशय दोष, योनि शूल, योनि में पीड़ा एवं जलन में
70	चिंतामणि चतुर्मुख रस	शारीरिक क्षीणता, मानसिक दुर्बलता में उपयोगी
71	चिंतामणि रस	मानसिक दुर्बलता, अनिद्रा, हृदय रोग, भ्रम
72	चंद्रोदय रस	यह उन्मांद, अपस्मार, बद्धकोष्ठ एवं जीर्ण ज्वर
73	जवाहर मोहरा	हृदय योग, हृदय एवं फेफड़ो की कमजोरी
74	चौंसठप्रहरी पीपल	हृदय कमजोरी, अम्लपित्त, हिचकी, खून की कमी, अर्श
75	जलोदरारी रस	यकृत विकार, उदर रोग, पेट फूलना

Sr No	Aushadhi ke Naam	Up
76	जयमंगल रस	पुराना बुखार
77	तारकेश्वर रस	शुक्र की कमी, एवं वीर्यवाहिनी की अशक्तता के कारण
78	ज्वरांकुश रस	मलेरिआ बुखार
79	ज्वरमुरारी रस	अजीर्ण, अपचन और अतिसार
80	त्रिभुवन कीर्ति रस	सर्दी, जुकाम, सुखी खांसी
81	त्रिलोक्यचिंतामणि रस	सभी प्रकार के वात रोग
82	तालकेश्वर रस	खुजली, चर्म विकार
83	त्रिमूर्ति रस	आमवात, शोथ रोग, कफ - विकार
84	त्रिविक्रम रस	पत्थरी एवं पत्थरी के कारण होने वाले दर्द में लाभद
85	दन्तोदभेदगदांतक रस	बच्चों के दांत निकलने के समय के विकारों
86	नवज्वरेभ्सिंह रस	ज्वर
87	नवरत्न राजमृगांक रस	शोथ, पाण्डु, आफरा एवं अरुचि
88	नृपतिवल्लभ रस	संग्रहणी, अतिसार, मंदाग्नि, ज्वर एवं आंव
89	नष्टपुष्पांतक रस	रसायन
90	नित्यानंद रस	हाथीपांव

Sr No	Aushadhi ke Naam	Up
91	नारायण ज्वरांकुश रस	ज्वर, सन्निपातज, विषूचिका एवं विषम ज्वर
92	नागर्जुनर्भ रस	अनिद्रा, हृदय की कमजोरी, निम्न रक्तचाप
93	निद्रोदय रस	नींद न आने में उपयोगी
94	नीलकंठ रस	वमन रोकने की यह खास दवा
95	प्रमेह गजकेशरी रस	प्रमेह में उपयोगी
96	प्रतापलंकेश्वर रस	प्रसव के बाद होने वाली खांसी में उपयोगी
97	प्रदर रिपु रस	वीर्य विकारों में उपयोगी
98	प्रदरांतक रस	प्रदर रोग
99	प्रंचामृत रस	क्षय रोग की उत्तम दवा
100	पांडुपंचानन रस	कब्ज एवं पाचन ठीक करने
101	प्रवाल प्रंचामृत रस	उदर रोग, अजीर्ण, अम्लपित्त, संग्रहणी, गुल्म
102	पीयूषवल्ली रस	संग्रहणी, अतिसार, उदर विकार, आंव शूल
103	पुष्पधन्वा रस	रसायन कामोत्तेजक, बल एवं वीर्य को बढ़ाने वाला
104	पूर्ण चंद्र रस	धातु विकारों में
105	बसंत तिलक रस	अपस्मार, विशूचिका एवं उन्माद

Sr No	Aushadhi ke Naam	Up
106	बहुमूत्रान्तक रस	यह वायु रोगों की उत्तम औषधि है
107	वसंतकुसुमाकर रस	स्त्री - पुरुषों के जननेन्द्रिय से सम्बंधित विकार
108	बलरोगान्तक रस	बच्चों के आम दोष, दस्त, खांसी, सर्दी - जुकाम
109	वातारी रस	वातरोग, उरूस्तम्भ एवं आमवात
110	वातकुलान्तक रस	अपस्मार, अपतन्त्रक एवं पक्षाघात
111	वातविध्वंस रस	शितांग, सन्निपातज, वायु एवं कफ के विकार
112	वातरक्तांतक रस	रक्त दूषित, खाज, खुजली, फोड़े, फुंसी
113	वातगजांकुश रस	मोटापा, अवबाहुक एवं हनुस्तंभ
114	बनगेश्वर रस	प्रमेह
115	सिद्ध मकरध्वज	सभी रोगों में लाभ देने वाली औषधि
116	बालार्क रस	मलेरिया
117	बेताल रस	विषम ज्वर एवं सन्निपातज ज्वर
118	बोलबद्ध रस	बवासीर, खांसी, पेचिस एवं प्रदर रोग
119	महाज्वरांकुश रस	पारी से आने वाला ज्वर, जीर्ण ज्वर, मलेरिया
120	भुवनेश्वर रस	आमातिसार पेचिश, मरोड़ एवं संग्रहणी, मंदाग्नि

Sr No	Aushadhi ke Naam	Up
121	मन्मथ रस	नपुंसकता एवं नामर्दी में उपयोगी
122	महामृत्युंजय रस	सभी बुखारों एवं मलेरिया
123	लघुमालिनी बसंत रस	यह सभी प्रकार के जीर्ण ज्वर में उपयोगी
124	महालक्ष्मीविलास रस	फेफड़ो की दुर्बलता, बार - बार होने वाली सर्दी - जुक
125	बसंतकुसुमाकर रस	हृदय एवं मस्तिष्क को बल मिलता है
126	मृगांक रस	पुरानी खांसी, बुखार
127	मूत्रकृच्छान्तक रस	मूत्रकृच्छ से सम्बन्थि विकारों
128	मुक्तापंचामृत रस	खांसी, श्वास, पुराने बुखारऔर फेफड़ों की कमजोरी
129	मृतसंजीवनी रस	सन्निपातज, विषम ज्वर, शीतपूर्व और दाहपूर्व ज्वर
130	महावातविध्वंसन रस	वात रोग, शरीर के अंगो में आई कमजोरी
131	योगेंद्र रस	अनिद्रा, बैचेनी घबराहट, रक्तचाप कम व् अधिक होना
132	याकूति रस	नाड़ीक्षीणता, शरीर का ठण्ड पड़ जाना
133	रसकपूर	अग्नि, बल, वीर्य और कामशक्ति की वृद्धि होती है
134	रत्नगिरि रस	वातज्वर, कफ - ज्वर, मंदाग्नि
135	रक्तपित्तकुलकन्दन रस	रक्तपित, रजस्राव, रक्तप्रदर, श्वेतप्रदर,

Sr No	Aushadhi ke Naam	Up
136	रसपिपरी (कस्तूरी युक्त)	बच्चों के लिए अमृत तुल्य है ।
137	रसराज	वात विकार, विशेषत शारीरिक अंगो की अशक्तता
138	रामबाण रस	बदहजमी, मंदाग्नि, आंव और संग्रहणी
139	राजमृगांक रस	टीबी की प्रथम एवं द्वितीय अवस्था में उपयोगी
140	लवंगाभ्रक रस	अतिसार, ग्रहणी रोग, अग्निमांद्य एवं प्रवाहिका
141	लाघवानन्द रस	पाण्डु रोग, मंदाग्नि
142	लक्ष्मीनारायण रस	महिलाओं के प्रसूता ज्वर में विशेष लाभकारी है
143	लक्ष्मीविलास रस नारदीय	न्यूमोनिया, मियादी बुखार, एन्फ्लूएंजा, फ्लू, बुखार एवं
144	लक्ष्मीविलास रस रजत युक्त	सन्निपात, कास, प्रतिक्षय आदि में लाभदायक ।
145	लीलविलास रस	वमन, हृदय - दाह, कृमि, पाण्डु, प्रदर
146	लोकनाथ रस	अनिद्रा, अतिसार, संग्रहणी, मंदाग्नि, पित्तरोग, कफ रोग
147	श्वासकुठार रस	खांसी, श्वास, हिचकी एवं जुकाम में उपयोगी
148	श्वासचिंतामणि रस	पुराने और कठिन श्वास रोग, खांसी, जुकाम ज्वर
149	श्वास कास चिंतामणि रस (स्वर्ण युक्त)	नए-पुराने और कठिन श्वास रोग,, खांसी, जुकाम, ज्वर
150	शक्रवल्ल्भ रस	पौष्टिक रसायन, शारीरिक क्षीणता, दुर्बलता, शीघ्रपतन,

Sr No	Aushadhi ke Naam	Up
151	शशिशेखर रस	एनीमिया, पीलिया, हलीमक, स्नायविक दुर्बलता
152	शिर:शूलादिवज्र रस	सिरदर्द,
153	शीतज्वरारी रस	ज्वर, दाह पूर्व ज्वर एवं विषम ज्वर
154	शिवतांडव रस	कफदोष में उपयोगी
155	शुलगाजकेशरी रस	शूल, गुल्म, उदररोग, मंदाग्नि, संग्रहणी
156	शुलकुठार रस	अग्निप्रदीपक, पाचन शक्ति वर्द्धक
157	सन्निपातभैरव रस	ज्वर, सन्निपात के तीव्र विकार
158	शूलनाशन रस	वातजन्य शूल, पेटदर्द
159	शोथकालानल रस	यकृत एवं तिल्ली की समस्या में उपयोगी
160	समिरगजकेशरी रस	प्रबल वात एवं कफनाशक
161	सर्वांगसुन्दर रस	पुरानी खांसी, ज्वर, जीर्ण ज्वर, संग्रहणी, बाल रोग
162	सर्वतोभद्र रस	दीपन एवं पाचन गुणों से युक्त
163	स्वछंद भैरव रस	सर्दी लगकर भुखार आने, जुकाम, नवीन ज्वर
164	सिद्धप्राणेश्वर रस	पेचिश एवं अतिसार में उपयोगी
165	स्वर्णबसंत मालती रस	पुराना बुखार, खांसी, शारीरिक कमजोरी

Sr No	Aushadhi ke Naam	Up
166	शुलान्तक रस	शूल रोग, अम्लपित्त एवं वमन, आमशूल
167	सुधानिधि रस	सभी प्रकार की सूजन में उपयोगी
168	सिद्धदरदामृत रस	बल वीर्यवर्द्धक, ओजवर्द्धक
169	स्मृतिसागर रस	स्मरण शक्ति बढ़ाने में उपयोगी
170	सिन्दूरभूषण रस	बलवर्द्धक और शरीर के किसी भी हिस्से के दर्द में
171	सुतिकारी रस	प्रसूताओं के ज्वर, हाथ, पांव में जलन, खांसी, प्यास की
172	सूतशेखर रस न. १	अम्लपित्त की प्रसिद्द औषधि
173	सुतिकाभरण रस	सभी प्रकार के सूतिका रोग में उपयोगी
174	सोमनाथ रस	बहुमूत्र, प्रमेह, स्त्रियों के रोगों में उत्तम लाभ मिलता है
175	सूतिका विनोद रस	प्रसूता के प्रस्तुत ज्वर, अजीर्ण, शूल एवं विबंद में उप
176	सोम योग (श्वास हर)	सभी प्रकार के श्वास रोग, न्यूमोनिया, कासरोग, कफ
177	सोमेश्वर रस	प्रमेह, अर्श रोग, विद्रधि और चिरकालीन सोमरोग,
178	हृदयार्णव रस	हृदय रोगों में लाभदायक
179	हिंगुलेश्वर रस	तीव्र ज्वर, जोड़ो के दर्द, वातज्वर एवं बुखार में उपयो
180	हरिशंकर रस	पेशाब में जलन, पेशाब में खून आना एवं जलन में

Swadeshi® Upchar

Sr No	Aushadhi ke Naam	Up
181	हेमाभृ सिंदूर	हृदय की दुर्बलता, मस्तिष्क विकार, वातवाहिनियों के
182	हिरण्य गर्भ पोटली	वातकफात्मक संग्रहणी, अग्निमांद्य एवं पुराने जुकाम
183	हेमगर्भ पोटली रस	पुरानी खांसी, शारीरिक क्षीणता, संग्रहणी
184	हेमनाथ रस	प्रमेह रोग, बहुमूत्र प्रमेह, कमरदर्द, नपुंसकता, शीघ्रपतन,
185	क्षुधासागर रस	भूख की कमी, अपच से हुए दस्त, कमजोर अमाशय
186	क्षयान्ताक रस	प्रमेह, पाण्डु, सिरदर्द, उदर रोग, अग्निमांद्य, सोमरोग ए
187	क्षुद्बोधक रस	भूख न लगने, जी मचलने, पेट का भारीपन, वमन, अप

Swadeshi® Upchar